भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2579
16 दिसंबर, 2025 को उत्तरार्थ

विषय- श्रीअन्न का प्रचार

2579. श्री भर्तृहरि महताबः
श्री तापिर गावः
श्री जगदम्बिका पालः
श्री प्रवीण पटेलः
डॉ. मन्ना लाल रावतः
श्री दामोदर अग्रवालः
श्री चिन्तामणि महाराजः
डॉ. निशिकान्त दुबेः
श्री नव चरण माझीः
श्री आलोक शर्माः
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ः
श्री अभिमन्यु सेठीः
श्री अनिल फिरोजियाः
डॉ. भोला सिंहः
श्री गोडम नागेशः
श्री राजकुमार चाहरः
डॉ. राजेश मिश्राः
श्री विनोद लखमशी चावड़ाः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने देश में श्रीअन्न की खेती, प्रसंस्करण और उपभोग को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं;
(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान आईसीएआर तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा श्रीअन्न के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, प्रमाणित बीज वितरण, अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार के पास उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले सहित श्रीअन्न क्षेत्र, उत्पादकता और बीज की उपलब्धता के बारे में जिला-वार आंकड़े है;
(घ) जलवायु अनुकूल श्रीअन्न किस्मों को अपनाने वाले किसानों को समर्थन देने के लिए क्रियान्वित किए जा रहे कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;
(ङ) देश भर में कृषि आय बढ़ाने हेतु श्रीअन्न उत्पादकों के लिए मूल्य संवर्धन, एफपीओ समर्थन और बाजार संपर्क बढ़ाने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं; और
(च) देश में श्रीअन्न को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा की गई अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों का राजस्थान सहित राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (च): भारत सरकार ने संपूर्ण देश में मिलेट की खेती, प्रसंस्करण और उपभोग को बढ़ावा देने और मिलेट आधारित उत्पादों में कार्यरत खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, स्टार्टअप्स और निर्यातकों को प्रोत्साहन देने के लिए मूल्य श्रृंखला में कई लक्षित हस्तक्षेप शुरू किए हैं।

भारत के एक प्रस्ताव के बाद, जिसे 70 से अधिक देशों का समर्थन प्राप्त था, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मार्च 2021 में अपने 75वें सत्र में वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया। पूरे वर्ष चलने वाले इस उत्सव ने मिलेट के सेवन के पोषण और स्वास्थ्य लाभों, प्रतिकूल और परिवर्तनशील जलवायु परिस्थितियों में मिलेट की खेती की उपयुक्तता और उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिए स्थायी बाजार अवसर सृजित करने के लाभों के संबंध में जागरूकता बढ़ाने में सफलता प्राप्त की।

भारत ने मार्च 2023 में नई दिल्ली में दो दिवसीय वैश्विक मिलेट सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें 102 से अधिक देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट सम्मेलन 2023 को समर्पित इस वैश्विक सम्मेलन में मिलेट से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें इसका उत्पादन और उपभोग, पोषण संबंधी लाभ, मूल्य श्रृंखला विकास, बाजार संपर्क और अनुसंधान एवं विकास शामिल थे।

मिलेट (श्री अन्न) की खेती और उत्पादकता बढ़ाने के लिए, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश और राजस्थान सहित 28 राज्यों और 2 संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) के अंतर्गत पोषक अनाज उप-मिशन कार्यान्वित कर रहा है।

एनएफएसएनएम के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के माध्यम से किसानों को फसल उत्पादन और संरक्षण प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन, प्रमाणित बीजों के वितरण, प्रमाणित बीजों (पोषक अनाज) के उत्पादन, एकीकृत पोषक तत्व और कीट प्रबंधन उपायों, फसल प्रणाली आधारित प्रशिक्षणों के माध्यम से किसानों की क्षमता निर्माण आदि के लिए सहायता प्रदान की जा रही है; साथ ही, एजेंसियों द्वारा राज्यों के माध्यम से जारी किए गए किस्मों/हाइब्रिडों (पोषक अनाज) के बीज मिनीकिट भी वितरित किए जा रहे हैं। यह मिशन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (एसएयू)/कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) को विषय विशेषज्ञों/वैज्ञानिकों की देखरेख में प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने और किसानों को प्रौद्योगिकी अंतरण में भी सहयोग प्रदान करता है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) के तहत जलवायु परिवर्तन के अनुकूल नवीनतम किस्में या हाइब्रिड किस्मों जो कीट, पेस्ट तथा रोग प्रतिरोधी हैं और अल्प और मध्यम अवधि वाली किस्में जो मौजूदा प्रमुख किस्मों से बेहतर प्रदर्शन करती हैं, को बढ़ावा दिया जाता है।

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को अन्य बातों के साथ-साथ कम उत्पादकता लेकिन उच्च क्षमता वाले जिलों को प्राथमिकता देने के आधार पर मिशन के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन के लिए जिलों को चिह्नित करने की छूट दी गई है।

बुलंदशहर सहित उत्तर प्रदेश के जिलों में पोषक अनाजों (मिलेट) का क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता का विवरण अनुबंध में दिया गया है। वर्ष 2025-26 के दौरान राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों के लिए

एनएफएसएनएम - श्री अन्न के तहत आवंटित राशि (केंद्र और राज्य का हिस्सा) क्रमशः 11729.80 लाख रुपये और 5499.50 लाख रुपये है।

हाल के वर्षों में, सेंट्रल वैरायटी रिलीज कमिटी (सीवीआरसी) द्वारा मिलेट की 110 किस्में जारी की गई हैं, जिनमें ज्वार की 34, बाजरे की 24, लिटिल मिलेट की 10, प्रोसो मिलेट की 6, बार्नयार्ड मिलेट की 5, कोडो मिलेट की 4, फॉक्सटेल मिलेट की 8, फिंगर मिलेट की 17 और ब्राउन टॉप मिलेट की 2 किस्में शामिल हैं। इन्हें देश के विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी क्षेत्रों में खेती के लिए जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त, विगत 3 वर्षों (2022-25) के दौरान 1290 क्विंटल की मांग के सापेक्ष विभिन्न मिलेट के कुल 2588 क्विंटल प्रजनक बीज का उत्पादन आगे बीज गुणन के लिए किया गया है। वर्ष 2014-25 के दौरान मिलेट की कुल 40 किस्में विकसित और जारी की गई हैं, जिनमें ज्वार की 9, बाजरे की 13, लिटिल मिलेट की 3, कोदो मिलेट की 5, बार्नयार्ड मिलेट की 1, फॉक्सटेल मिलेट की 1 और फिंगर मिलेट की 8 किस्में शामिल हैं। ये किस्में सूखा/नमी के प्रति तनाव प्रतिरोधी/जल संकट/कम वर्षा वाले क्षेत्रों में किसानों के खेतों में खेती के लिए उपलब्ध हैं।

भारत सरकार ने आईसीएआर-भारतीय मिलेट अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद को " वैश्विक मिलेट उत्कृष्टता केंद्र" के रूप में मान्यता दी है। वैश्विक स्तर पर मिलेट के अनुसंधान सहयोग और जन जागरूकता को सुदृढ़ करने के लिए, जी20 अध्यक्षता के दौरान "अंतर्राष्ट्रीय मिलेट और अन्य प्राचीन अनाज अनुसंधान पहल (महर्षि)" नामक एक नई पहल को अपनाया गया है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने 2022-23 से 2026-27 की अवधि के लिए ₹800 करोड़ के वित्तीय परिव्यय के साथ मिलेट आधारित उत्पादों के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएमबीपी) शुरू की है। इस योजना का उद्देश्य खाद्य उत्पादों में मिलेट के उपयोग को बढ़ावा देना और चयनित मिलेट आधारित उत्पादों के निर्माण के लिए प्रोत्साहन प्रदान करके तथा घरेलू और निर्यात बाजारों में उनकी बिक्री का समर्थन करके मूल्यवर्धन को प्रोत्साहित करना है।

मिलेट और मिलेट आधारित उत्पादों के निर्यात को सुगम बनाने के लिए, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठकों, वैश्विक विपणन अभियानों और मिलेट के लिए समर्पित वेब पोर्टल एवं ई-कैटलॉग के विकास सहित कई पहलें की हैं। इसने एक निर्यात संवर्धन मंच (ईपीएफ) भी स्थापित किया है और मिलेट के निर्यात तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है।

इसके अतिरिक्त, मिलेट के मूल्यवर्धित उत्पादों, विशेष रूप से रेडी-टू-कुक (आरटीसी) और रेडी-टू-ईट (आरटीई) सेगमेंट में कार्यरत स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान की जा रही है। खाद्य क्षेत्र में स्टार्टअप्स को नवाचार और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। व्यापार और ट्रेसबिलिटी को और सुगम बनाने के लिए, मिलेट और उसके मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए विशिष्ट हार्मोनाइज्ड सिस्टम (एचएस) कोड लागू किए गए हैं। "नवाचार और कृषि-उद्यमिता विकास" कार्यक्रम के तहत, चयन और निवेश समिति (एसआईसी) की सिफारिश के आधार पर कृषि और संबद्ध क्षेत्र के उद्यमियों/स्टार्टअप्स को विचार/प्री-सीड चरण में 5 लाख रुपये तक और सीड चरण में 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। स्टार्टअप्स को अपने उत्पादों, सेवाओं, व्यावसायिक प्लेटफार्मों आदि को बाजार में लॉन्च करने और व्यावसायिक व्यवहार्यता प्राप्त करने के लिए अपने उत्पादों और संचालन को बढ़ाने में सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षण, तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

मिलेट को प्रमुख राष्ट्रीय पोषण एवं कल्याण कार्यक्रमों में भी शामिल किया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के पोषण अभियान के तहत मिलेट के पौष्टिक लाभों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस), एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) और मध्याह्न भोजन योजना जैसी योजनाओं में मिलेट को और अधिक शामिल करने के लिए अपने खरीद दिशानिर्देशों में संशोधन किया है, जिससे अतिसंवेदनशील आबादी के बीच मिलेट की खपत में वृद्धि हो सके।

अनुबंध

बुलंदशहर सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पोषक अनाजों (मिलेट) का क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता का विवरण।

क्र.सं.	जिला	क्षेत्र (हेक्टेयर)	उत्पादन (टन)	उपज (किलोग्राम/हेक्टेयर)
		2023-24	2023-24	2023-24
1.	आगरा	124830.42	322879.98	2587
2.	अलीगढ	85439.10	223374.99	2614
3.	अंबेडकरनगर	1380.15	2206.68	1599
4.	अमेठी	7679.00	12498.71	1628
5.	अमरोहा	3624.51	4446.32	1227
6.	औरैया	36539.42	89315.32	2444
7.	अयोध्या	3231.23	5151.55	1594
8.	आजमगढ़	174.91	351.42	2009
9.	बागपत	658.07	1419.50	2157
10.	बहराईच	81.88	144.16	1761
11.	बलिया	3932.23	7422.31	1888
12.	बलरामपुर	4.99	7.98	1600
13.	बाँदा	46463.28	77317.92	1664
14.	बाराबंकी	3186.58	5423.17	1702
15.	बरेली	14183.68	26772.57	1888
16.	बस्ती	26.79	23.74	886
17.	भदोही	12368.47	18346.46	1483
18.	शाहजहांपुर	108235.32	187098.46	1729
19.	बुलन्दशहर	13737.65	30897.08	2249
20.	चंदौली	8771.16	10709.91	1221
21.	चित्रकूट	46329.86	62168.99	1342
22.	देवरिया	298.51	540.14	1809
23.	एटा	49416.96	123106.23	2491
24.	इटावा	42223.55	124988.36	2960
25.	फर्रुखाबाद	10185.60	16846.57	1654
26.	फ़तेहपुर	25651.46	32217.28	1256
27.	फिरोजाबाद	80704.19	221200.61	2741
28.	गौतमबुद्धनगर	3170.45	5658.03	1785
29.	गाजियाबाद	277.04	600.21	2167
30.	गाजीपुर	20542.98	23314.70	1135
31.	गोरखपुर	70.61	85.54	1211
32.	हमीरपुर	11368.97	21303.56	1874
33.	हापुड	3.00	6.50	2167
34.	हरदोई	10457.37	17946.83	1716
35.	हाथरस	49513.99	132017.85	2666
36.	जालौन	42559.75	72031.46	1692
37.	जौनपुर	11526.08	13257.61	1150
38.	झांसी	2332.12	4406.60	1890
39.	कन्नौज	5372.20	10753.37	2002
40.	कानपुर देहात	42031.58	86752.77	2064
41.	कानपुर नगर	27122.90	48002.14	1770
42.	कासगंज	43267.01	101530.94	2347

क्र.सं.	जिला	क्षेत्र (हेक्टेयर)	उत्पादन (टन)	उपज (किलोग्राम/हेक्टेयर)
		2023-24	2023-24	2023-24
43.	कौशांबी	21984.40	23575.70	1072
44.	खेरी	641.77	1141.76	1779
45.	कुशीनगर	112.02	243.36	2173
46.	लखनऊ	2973.66	4458.00	1499
47.	महोबा	8960.47	14671.80	1637
48.	मैनपुरी	19956.75	53765.36	2694
49.	मथुरा	45049.21	111449.57	2474
50.	मऊ	1928.23	4177.13	2166
51.	मेरठ	29.00	62.84	2167
52.	मिर्जापुर	21321.63	35834.00	1681
53.	मुरादाबाद	3618.32	4781.23	1321
54.	पीलीभीत	1.00	1.72	1725
55.	प्रतापगढ़	17430.20	12869.20	738
56.	प्रयागराज	38996.33	29255.63	750
57.	रायबरेली	9408.32	17352.85	1844
58.	रामपुर	4250.51	6237.89	1468
59.	सहारनपुर	2.00	4.35	2173
60.	संभल	77818.26	136566.12	1755
61.	संतकबीरनगर	99.90	197.88	1981
62.	शाहजहांपुर	5442.83	6958.29	1278
63.	श्रावस्ती	40.01	86.91	2173
64.	सिद्धार्थनगर	19.96	31.93	1600
65.	सीतापुर	8867.35	13612.76	1535
66.	सोनभद्र	10214.35	12117.15	1186
67.	सुल्तानपुर	10621.85	16998.95	1600
68.	उन्नाव	5894.83	9267.08	1572
69.	वाराणसी	11341.81	20788.03	1833

स्रोत: यूपीएजी

******